

DPN 6609

Title : म्येसफू / MYE SAPHU

Run. No. 7334

Cat. No.

Micro. No.

Subject Saṅgīta

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 26.5 x 10.5

Folios 27 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

नूदे सुन्दर तुलाधर

Date: NS / SS / VS / KS 932

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / Both side yellow

Beginning, colophon, post-colophon :

राग ॥ मलओ ॥ तार ॥ उपजति ॥ आजु नाथ देहो वर हे ॥ धु ॥
शुभ संवत् ८३२ मी नखा वैशाखमासे शुक्रपक्षे नखेमियां वृषः अस्मिन् नक्षत्रे

गंधोग्यः जथाकण्ठमो होत्रे स्वमवारसलेः मेघशशिगते
सवित्रे कुभशशिगतेः चन्द्रमसि ध्वते दिने संपूर्णः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

२५३८५॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ नाग ॥ माला ॥ नात्र ॥ उपजति ॥ अ
 न्नाय धसा व न स ॥ ॐ ॥ आनं का न अंग हलि य स व न द्र व चि न
 वाद्य द्या ना अंग स र म नि म क न क स र ग म ज ना ध तः थ न सिल ना ग
 स्थलिन ॥ ॐ ॥ नं दि लिं दि मि दं ग वा जि नः ना व य तू स म् व स ग
 स र दं व ल् स व द य का सः ना स म् उप ना त जि स्ता ह यं क नं ॥ क म
 ह म् नु ता व द ला व क लि य स व स र व द सि म् र व न न स व रु व

॥ ५५५५ ॥

[illegible]

20

15

10

5

१५३ न हविष्या ॥

॥ **ॐ** ॥ जयसकिदवितात्रमनिगुननिधि २ जननिदिमंजि
 लिनेदिनिःसंयत्रायत्रिजह्रितानि ॥ **ॐ** ॥ **नाग** ॥ यद्विषया ॥ य
 नात्र ॥ गुनसायियाः सुनिदमात्रिसिक्सात्रहजत्र ॥ **ॐ** ॥ संय
 त्रगुयल्लवः मनज्जन्मान २ स्वयलिहत्रिहमः लयत्रहज
 ना ॥ **ॐ** ॥ नवजहलत्रमयत्रवात्रसुनि २ उचिनहज्जन्दि
 नवत्रहसगुनि ॥ **ॐ** ॥ हमज्जयत्राकः कदवद्वयय २ ज्जन्

१५३ न हविष्या ॥

विनहयिनधत्रमयल्लयाय ॥ **ॐ** ॥ नासुस्यत्रिदवियनि
 ज्ञात्रनवासादुत्र २ यिनिनिनिनिनागत्रज्ञानिज्ञाना ॥ **ॐ** ॥
नाग ॥ मात्रसि ॥ नात्र ॥ **ॐ** ॥ विज्जकाज्जदविविनाज्जः यन्ननत्राक
 हधत्र २ सुत्रसुनिस्वयमानकत्रः जगिनिनावननात्र ॥ **ॐ** ॥
 कसवादिनिहवन्नयात्रिनिः संकत्रमादनकत्र २ यवन्ननत्र
 क्कवागुत्रकः सित्रकानियानेदत्र ॥ **ॐ** ॥ समत्रदवयज्जह

25

20

15

10

5

२५॥४॥५॥६॥७॥८॥९॥१०॥११॥१२॥१३॥१४॥१५॥१६॥१७॥१८॥१९॥२०॥२१॥२२॥२३॥२४॥२५॥२६॥२७॥२८॥२९॥३०॥३१॥३२॥३३॥३४॥३५॥३६॥३७॥३८॥३९॥४०॥४१॥४२॥४३॥४४॥४५॥४६॥४७॥४८॥४९॥५०॥५१॥५२॥५३॥५४॥५५॥५६॥५७॥५८॥५९॥६०॥६१॥६२॥६३॥६४॥६५॥६६॥६७॥६८॥६९॥७०॥७१॥७२॥७३॥७४॥७५॥७६॥७७॥७८॥७९॥८०॥८१॥८२॥८३॥८४॥८५॥८६॥८७॥८८॥८९॥९०॥९१॥९२॥९३॥९४॥९५॥९६॥९७॥९८॥९९॥१००॥

प्रमादयः षष्ठावयत्र भत्र २२ वित्रयाने कत्र गयसवः मित्रित
सात्रसरत्र ॥ २३ ॥ सात्रदानेयः उत्रं जस्य सय कने कत्र सन
धाल २ यत्र न रूगत्रः यत्र मनिमयः मंरु नीयत्र धत्र ॥ ॥
मंरु मात्रिनि इत्रि न सात्रिनिः सं कत्र हयनि रने २ स मनिज
यय कासुद वकिः कत्र जात्रि राव कत्र ॥ २४ ॥ नाग ॥ वसन ॥
नात्र ॥ ॥ सविजि म न न मन डात्र नि न द र या काय ॥ २५ ॥

हवन सम द्रु निः ५३ दत्र कद्रु गु नि स्य सन रु स्यय मग
क २ रु न ग क ना स रु डाः त्रसन द य क स डाः त्रिय नि डा त्रि स क
त्र जा क म न डाः सवि ॥ ॥ त्रि स क त्र मि डा वानः ॥ द्वि ना डा सा या
डाः मा स त्र य द्रु नि थ द न २ थि त्र न म था ड म्म न न ग त्र स डा
नु म्म नः वा य मा त्रि डा ध का हा म्म क म न डा सवि ॥ २६ ॥ डा या डा
जि वा डा ध सः थ स न त्र म्म द स द्रु न क त्र स्या न न स्या क २ थ थि

25

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अभिधादायिस

यम २ नृगत्रस दना त्र ध्या त्रः या यम रु या ध त्र म व न
 धात्रि धा जल मः ग न त्रा य प ल् ल य त्र म ॥ ० ॥ ना त्रा य न
 ना त्रा य नः ग न त्रा य प ल् ल य त्र म ॥ १ ॥ यि या ग अ
 वि सं ग मः नि त्र य या ड ह त्र म २ दू व रू व त्रा य स म स रु अ
 नि म नि ह मः म रू ड नि डी कू त्रा म त्रा म ॥ २ ॥ कू क म
 या ल् म म ज य त्रा ध या ड उ व मा २ जि नि म दू त्रा क स अ य

२ क व नि ग या न क ड ॥

मः सं सा ल या रू व सा त्र वि दू म दि या त्रि य त्र मः का नि रू जि
 न यि न न मा ॥ ३ ॥ ना ग ॥ वि ल स ॥ ना त्र ॥ य ॥ क यानि
 मा या न क ड ह त्रा म ॥ ४ ॥ क ड स जि धा डः यि या त्रि म
 डा डः रू व या त्र स नू त्रि डा २ ना रू न डू थ डा थि त्र ना स य
 डाः कू र् म या या स म ड य डा ॥ ५ ॥ सि न न जि क डः कू स न म
 ड डाः अ ड नृ ग त्र म दि डा २ ज ना त्रि म न डाः त्रि म त्र म व

५७॥

ससकंदनयिक। निरुक्तवंदमायिथननिकःसितस
मनुकुरुसमानिककंकात्रि॥ सितसुमनुकुरुसमानि
कःहनुनिमनुनिविडाकृदिककंकात्रि॥ ० ॥ निकून
स्याउसजिकःहिसिडासुवदुनिकःअरिनृथकृडात्र
नजयिकःनासानिअनिसानिसावसिककंकात्रि॥ २
॥ नासानिअनिसानिसावसिकःअजिनिदाजिनिःअनन

लिङ्गकंकारि॥ ३ ॥ लङ्गान्धत्रङ्गान्धिकः मानिया ल
त्रनसिङ्गः वदननित्रमः नित्रसत्रिः त्रनत्रनसत्र
यथदूनिङ्गकंकारि॥ ४ ॥ यापयाकुङ्गमसिङ्गः पुनय
त्रपसत्रिङ्गः विषवधद्रयासनयनिङ्गः द्रयाङ्गयात्रि
समनद्रिङ्गकंकारि २ द्रयाङ्गयात्रिसमनद्रिङ्गः या
ङ्गयात्रिङ्गसत्रिङ्गकंकारि॥ ५ ॥ ॥ गङ्गा॥ सात्रय॥ व

॥ मा ह न स वि डि डि डी डी स सा न ॥ ० ॥ वलि ड्य सम य स साल
स्य डी दयः ॐ यो स स न ड डा डी २ ज ग त म स वा सा त स त व न
न डा डी ॐ स त ड डा डी ॥ ३ ॥ इळू डी थ ये न स सा ड या डी
ॐ सः त स न सि स त य या डी १ ज्ञा डी द न स न ना य डी स ग
ना डि मि स न् ग त म् रा डी ॥ ४ ॥ क ल् नाम द ऋ डी जा य
म न व डीः ला न थ थ म म स रा डी १ वि त स ना य न स नि त ग ड

ॐ नः लं नितामथ यगान ॥ ॐ ॥ मथ गसदत्रसस्
अथापसथताः कुता निग्यनिताथ गम २ ऊन गत्रसथ
निजि पनि मत्रमनिः यत्र यावस ह लस्याम ॥ ॐ ॥ हा
कम कूमदिनिः पनि दत्र वनिः जगन र्ययन स्याता २
लम गद्य नगु नः मनमनं हा नि नः लमत्र याजि तस्या न
॥ माहन सथिजि जिताता समान ॥ ॐ ॥ नागा ॥ मंत्र ॥ नात्र ॥

ॐ वनाजागि अर्नद करिय ॥ ॐ ॥ वत्र नकुमल नाथ कि
असा मात्र २ मंत्र वल नकुमत्र यदवायि ॥ ॐ ॥ रुत्र न
उनात्र नकुमत्र गजा नि २ निनि वव नकि नाथ मात्र ॥ ॐ
सत्र सथ वन था जन था जि य २ मंत्र यद यद वायि यय
नाजागि ॥ ॐ ॥ नागा ॥ वसं न ॥ नात्र ॥ पु ॥ सका नकु स्या
जि ज म् नाया यात्रा ह न कि जम ना या यात्रा वि ननि ५ नम

ॐ वनाजागि ॥

ॐ वसं न ॥

॥ सप्ततयाद्यानसुखमगडापिडा तसुगाजत्रसा नमसा
 तारुयुयनकनात्रनिडाः सनयासनप्रजिडाः डायमानिय
 यत्रयत्रः विननिडममात्र ॥ ॐ ॥ मनयादेनासनडायाथ
 नकात्रजन्मः यन्मनविडा निरात्रु २ मनसुनसुवगा
 डात्रवानसुगसात्राडाः त्रुत्रुत्रुमहिनेउवात्र ॥ ॐ ॥ व
 स्यानिस्त्रियाचनेयमनकडात्रनदिनदिनथुलिवि

सात्र ॥ २ साडात्रडाडाथसमयसदुडासत्रजुनयायनिम
 समयात्र ॥ ॐ ॥ तारुत्रमत्रयाः ववनडडाडादुीननात्रनि
 सुमानविकात्र २ तस्यावससडासिससमयसवसया
 डात्रसनयवात्र ॥ ॐ ॥ ॥ वागा ॥ वसन ॥ नात्र ॥ गडा ॥ सम
 यवसनडात्रः वित्रसुडाडा ॥ पुत्रुत्रिडात्रमथडाः वत्रधजुल
 नरुडः दुदुवनदनवसपुत्रिमथडा २ थथिडवत्रडा ० डा

(सप्ततयाद्यानसुखमगडापिडा तसुगाजत्रसा नमसा)

प्रहृष्टवराङ्गनित्रिद्विचउभय॥ ५॥ कविज्ञयावचननड
 डाडासिनलयाडाः सकत्रउभयाइतडासुयाकेवासरसमय
 वसंनइतयितसकुजाडा॥ ६॥ **नाग**॥ हयात्रि॥ नात्र॥ पात्रिमान
 ॥ नात्रवनात्रमन्वकयात्रः षत्रंजडाडाडात्रसनात्र२मत्रैयिक
 इङ्गहयानकसाकुषात्रकुङ्गङ्गासुयात्र॥ ७॥ नयात्रहयात्र
 वनिर्यवजानिवत्रकासनज्ञाकः१मंग्रयावत्रनवित्रविङ्गमन

くろくさく

20

15

10

5

२॥ सवक गुण ॥ २॥ जयसिद्धि नमः ॥ २॥ सवका साया ॥

दक्षस्यसिद्धिनामः ॥ ॥ **नामः** ॥ वि लस ॥ नमः ॥ इय जनि
॥ सवक गुण दक्षः घन वि न ह्ना ॥ २॥ वि क धि क क नम जि
कृति दूष ज्ञा ॥ ॥ **नामः** ॥ जय न कि मि ध वि या न न य न ह्ना न र
म इ इ ष ना य म न क नम या इय न ॥ ॥ **नामः** ॥ ह न ॥
नमः ॥ ॥ जयसिद्धि नमः स न स ह्ना ॥ २॥ नि ह व न म स न
जय जय द व ॥ ॥ ध न वि य द न यः वि ज नि न ह्ना ॥ २॥ ह न

इय ज्ञा ॥ इय द य द य का ॥ ॥ **नामः** ॥ ज न य नि वि नु म षः कृति
ल स न न ॥ २॥ ज न न य नु र सि द सा सा य न ह्ना ॥ ॥ **नामः** ॥ न व
न स सि धि वि ज्ञाः स व क ष ह्ना ॥ २॥ न य ज य य का सः ह्ना न न
वा ॥ ॥ **नामः** ॥ य य मं कृति ॥ नमः ॥ ॥ म न या मा या म जि
ज्ञा जि न ह्ना य ॥ २॥ न स न ह्ना न थ ज स व क का य ॥ ॥ **नामः** ॥ नि
नि ध न म थ म ह्ना नि न या य ॥ २॥ य न ज्ञा या दू ष ह्ना न का ॥ ॥

20

25

20

15

10

5

२५५ संयति॥

ॐ स्वस्ति यास्तु न सजिनयनि या हा २ हा क म् ॐ हा य य त म्
स॥ ॐ ॥ गग॥ य तादि॥ नात्र॥ प्र॥ स्वडा सं ध त्रि वा ष म् त्र मि वा न
॥ उक्त त यु न यं उ मा मि वा डि व का त्र २ ध्वा न या ष वा डा या न म्
न ह त्र लो त्र वा ष म् त्र मि॥ ॐ ॥ अ मि न डा उ नि रु नः ॐ ध त्र
या या न वि डा २ जि न ह त्रि ह त्रि त्र ष त्र वि या न् ॐ डा॥ ॐ ॥ जी
नि य त्र का स या व य न पु मा न १ पु न् व त्र न न सि सः ना त्र नि उ

२५५ संयति॥ २ म न

मा न॥ वा ष्वा म् ॐ ॥ गग॥ ह त्र व॥ ना त्र॥ या॥ जय २ सि ह म्
ह स्य त्र व व अ नि स्र ष म न या॥ ॐ ॥ उप डा ध र्म लि उं ध त्र स्र लान
ना त्र ग ल स या २ हा ग त्र ना ग त्र ना ग का याः त्र सि क वि ह नि या॥
॥ ह य कू न का डाः मं ग त्र या डाः ज य पु का स ध व या २ क ल ना
म उ ध त्र या डाः क या न श्र व क या॥ ॐ ॥ गग॥ ह ध्वा सा त्रि॥ ना त्र
॥ प्र॥ म न न म नं डा या न उ नि त्रः संध त्रि रु डि॥ ॐ ॥ मा या रु न

20

25

20

15

10

5

सम नं ॥ २५५ नं ॥

कञ्जुञ्जुनि नायाः नात्र नं जि न म रुया २ काम या व रा न कठाः वय
जि जाजा नः सि नत्र क्रमि नत्र स क्क या नः संध त्रि यु जि ॥ ३ ॥ खल
मु न या त्र नि ड नि ना याः ना ग त्रि काम क रा या २ नृ य नि त सि कम
नि जा नि प्र का स नः क क क त ल न या त्र याः नं ३ थ त्रि यु जि म न न
म नं द्रा य न ड नि ॥ ३ ॥ **नागा** ल त्रि न ॥ ना त्र ॥ या ॥ स य न थ नि
ड ड वि न नि ॥ ३ ॥ ३ थ त्र य न नः कञ्जुञ्जुनि ना या थ नि र व

३० नं ॥ २५५ नं ॥

अ जा जि मा स स दू वि ष ॥ ३ ॥ रं ड क म त्र त्र सः य क न र म ल ड नि
र व स क्क या द न न म थ ठा ॥ ३ ॥ **नागा** व स ग रा ॥ ना त्र ॥ य ॥ ३ थ
थ त्र क्क लि यि न म क्क ॥ ३ ॥ स य न स य न मा लः ना ग त्र क्क यिः ड ठ
र न ल स स व त्रि य २ अ य मि त्रि न का सा जा उ व न का सा क हः वि त स द
स न मा सि त्रि नः ॥ ३ थ ॥ वि त र क क त न म निः र व न का स व य थ य द ल
वि द षा ड २ स त्र न त्र कि न त्रः ना ग त्र द न वः ३ न मा यि या य यि या ना ॥

20

25



20

15

10

5

५॥ माता माता क स ॥

॥ यिनमनदिसिनिःयिनमधससिःरुतलं वाःऊउलनकादि २ यिनन
 ॥ ससिवात्रवनिमा प्रःऊधु कत्रमा सव प्रथा ॥ ॐ ॥ ऊधु कूलमास
 वदवनकुमात्रिःऊनिल्ल धयसिसत्रमायि २ हयसनु कमनिना सुप्र
 कासकसुःतनियनि ३ नदसजानि ॥ तुं धु ॥ **नाग** ॥ **हर्म** लि ॥ नाग ॥ वा
 ॥ माता माता क स न ऊनमगयाः ॥ ॐ ॥ वात्रवत्रिसवःवात्रायनयिनायवि
 सवत्रसनुमककुनरया २ साधिवत्रसनुमदडापुऊःरुत्रियकुनाज

त्रवित्रयलया ॥ माता ॥ ऊवनत्रनायदूगं तजायियदनित्रयजया ककु
 रुतनरया २ ऊवकासाजायियवृजकासायायियःनवर्कस्य धत्रम
 कायंधयत्र ॥ माता ॥ सिसिनाना धत्रना धत्र **का** सायत्र ऊसडात्रि
 नयनानित्रधत्र २ अयाइकुम गात्रययात्रकिःमायामंदित्रनं डि व
 प्रःमाता माता क स न ऊनमगया ॥ ॐ ॥ कसनकवित्र ऊधनऊहनस
 सवसंगनि ककुनकिया २ अयाइकुम गात्रययात्रकिमायामंदित्रनं

20

25

五

जिय न ॥ माता ॥ **माता** ॥ सिद्धा ॥ नात्र ॥ था ॥ वक्ता ॥ नाकवि ॥ नाकवि ॥ पुम
 हस्यनलं १ यडा द काड नाडा हा या क म धा न लं ॥ हलिहया वन न ह ह न
 निया डलं ॥ **॥** ॥ घम न ह द य क लः नाग नाजा स न लं २ उम ग वि डी या न
 ह किः न ड द न थ ल ह य लं ॥ **॥** ॥ न स ना न लू द ह ह ल थ कू ना निलं २
 अ मि सा क व न द नः ह ल व धि व ध लं ॥ **॥** ॥ य ड अ ड व क्ता वि हू प ड
 नि ड क ह ड लं २ उम वि क म स न ह निः ना धि का न कि मि ल ॥ **॥** ॥ धि

धिम्बयिस्सुख्यः यन्मन्त्रिन्तं २ नाथा नात्र उ नाय इत्रः त्रय सा ना सा ना
 मन्त्र ॥ ॐ ॥ सुधन्वा द का द डः स र्बमान न वि शालं २ वन्मा इत्य
 उन्त्रः विष्णु नाधिं य कलं ॥ ॐ ॥ नात्र य क गंध व न डं य क लं उलं २
 वस यत्र कल इ नः म सात्र नाधि कालं ॥ ॐ ॥ उत्र य ल सत्र यत्र य द स
 दिग या द डालं २ यं ड ह र्म ना ना द डः व स क कलि म स न तं ॥ ॐ ॥
 अस्मा स सु क य दः यं य मि या नि धि तं २ सु च क ल व सं य राः न यात्र

[illegible]

५। १०८। २

अहं क हं क न हं न ग यि ॥ ॐ ॥ यत्र न सखा व न व स न विज जि न १ व ल
 स क र न ध र म ॥ ॐ ॥ सिंघि सिंघि यत्रः यात्र न वाल क २ स व न दू वि
 ला य क लि ॥ ॐ ॥ गुरु स य ना नु मः द व न वि ना य क ३ त्रि य न स
 व ल न ह लि ॥ ॐ ॥ संभ न का म र न हि स व वा त्रि य २ वा त्रि य ग
 न ग य नि हं लि ॥ ॐ ॥ न ज य नि ना य कः वा सा इ न वा ज क २ क न ग्रा त्रि
 श व क नि ॥ ॐ ॥ ना ग ॥ म त लि ॥ ना न ॥ लं ॥ अ वि ध वि नि नि

10

15

20

25

[illegible]

२५ अमर न डगडा

20

15

२६ सजयजय॥

विषकमयाक २ चरमयास नम वयापसुद्विक॥ गकनाथा॥
 जर्मनकसविशः आडाऊकनयनिः आन जिगय्यथवतानरुज
 तमजत्रमहि नः विरतन ध्यान॥ गकनाथगय्य हनं थुगुरि
 पनान॥ ॐ ॥ ~~ना~~॥ धनाश्री॥ गत्रया॥ हसजयजयजयनृच
 नाधमहस॥ ॐ ॥ हत्रयजगनयास कत्रस हः हसजय॥ ॐ ॥ ह
 विनवित्रिनि कत्रः गत्रविं सस २ नदिहिंदिनि सस नकाकनिष

10

5

२७ सविना॥

ह॥ ॐ ॥ मन सस नात्र नत्रलमडात्रि गषस २ विनि ग्य नम वम
 इजगनस ह॥ ॐ ॥ हत्रयजगनयास कत्रस हः हसजय॥ ॐ ॥ ह
 नमवमदुधनमयन॥ ॐ ॥ विधित्रकि दवि याविन निवहाय
 ह्रयादुधमत्रः नृयजगनया ह॥ ॐ ॥ गग॥ यासांगरा॥ व॥
 सडासवि कानू गधि डनवात्र॥ ॐ ॥ वयनजिनवित्रम
 नसुमव नत्रः ससियादुत्रया वसान २ डम डाडा नत्रजिन धम

25

20

15

10

5

विष्णु न कुर्वन्ः यथा यमत्र मसं द्यात्र ॥ ॐ ॥ असि न क्षन्ः मन्त्र
 वा इति नः ग्रान् सन् कुर्वन् स २ नि सा अस न क्ष स निय जि म इत्र
 सः क्ष स जि इत्र वन् वास ॥ ॐ ॥ क य नि इत्र जन्ः इत्र म स दि
 जन्ः या न या रु य उ या य २ इ या डी न डी य नः क्षी व क्ष स स
 य न इ या य थ ग रि उ या य ॥ ॐ ॥ क म दि नि य निः नृ य र सि क
 क्ष निः ज ग न ज य न स्य रा डी २ य र व्या म नि डी स इ क्ष डी इ न व स

प्रतिपद्यते ॥

मन्त्र ना स म या या ॥ ॐ ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ ॥ नात्र ॥ यु ॥ य सा स नि
 य द ल क्षा त्र मान स स नृ म स व स व दा यि ॥ ॥ तं का रु व न य नि मान
 रु त्रि क्ष न य स ज ता यि २ य न कृ कृ त कृ न ज र क त्रः द क्षा द स नि वा यि ॥
 ह त्र न म् नि ग न यि स न न मा स व मा या ॥ य त्र ल या यि २ मा द मं दि न
 य द मा ज क न सः अ डि त्र ज म क्ष दा सा यि ॥ ॥ य त्र न क म त्र य द द
 स न ल य रु य त्र यि न धा यि २ मा न स क त्र न जि ग्मा न य त्र नि क स त्रि

20

25

ॐ नमो भगवते ॥ इति ॥ **या** ॥ विहास ॥ नात्र ॥ य ॥ सप्तसविन नि या दा सप्त
 हसप्तसविन नि या दा ॥ ॐ ॥ हनन यं वा दाः या य नु ल म दाः कनम
 वत्र प न्ना दा २ यत्र नम म दाः रुद्र नायि या दाः धृति ना कनम म दा ॥
 ॐ ॥ मनया जि दा दाः वा द सवि न्म दाः यं दमा कि न न व दा २ ॐ नि
 ल स द दाः नम नम वा दाः नसि क यि ति नि ना दा ॥ ॐ ॥ वि व द म
 या दाः नृ ग न म यि दाः अ व न स य म स दा २ सि सि न नु न दा स त्रि न

संज्ञा यत्र स दूयत्र स जा ॥ ॐ ॥ झा क म्मा या दा डाः ऊ म्मा नून
 मि डा नत्र पति नथ सा डा २ डा स दूत्र स डाः वि ननि दू या डाः वि दू म्मा
 ज्ञा सा न या डा ॥ ॐ ॥ ॥ ॥ लिं यत्रा स ॥ नात्र ॥ वा ॥ वित्र स न वर
 यनि सक कत्र द डा न कि धत्र नि सं दि न सा न २ नत्र नात्रित्र सत्र सि क
 रु सा द नूः सं धत्र ला क वि या न ॥ न सात्र स सा रु ॥ ॐ ॥ व स नि स
 द न म निः द सा मं दत्र न कि सं दत्र सकत्र सं सात्र २ उ नि म्मा नि जन

मम न हं रा सः ॥ विलङ्गन यत्नः ॥ ३ ॥ नाग ॥ वसन्तः ॥ नाग ॥
 प्र ॥ अत्रिचत्रि त्रि लविनिः ॥ जगन जि य रु त्रि दि य म ॥ ३ ॥ सिव संग
 मान क क न स उ थ यि स ॥ २ ॥ वा स मा क न मान स रु त्रि ॥ ३ ॥ वि
 त्रि त्रि य ज ल न य न रु द यि स ॥ २ ॥ ना ज स मा क न मान स रु त्रि ॥
 ३ ॥ वि य त्र व रु न कि य त्र द स सा ज रु ॥ २ ॥ ना ज वि ना ज स मान रु न पि
 ॥ ३ ॥ नाग ॥ ना ज वि ज य ॥ ना ॥ प्र ॥ रु ज न रु स रु स रु ड क रु स न

व धलद्रुहका निह ॥ सावदनरुयानका नखरु कंदुत्रवि कनद
सुनद्यनयानि ॥ ॥ कानत्रसाथसाथदुडास्यहिनत्रिउदवर्क
सुनाया ॥ ॥ रुयनुरुयंकनदाहिनदिसुत्रसि यःदिगंवत्रिसाथि
॥ ॥ सावदनरुयानका नखरु कंदुत्रवि कनद सुनद्यनयानि
॥ ॥ नागवसन ॥ नात्र ॥ या ॥ त्यामसंधत्रवसनधत्रसगाधडा
फिनत्रहया ॥ ॥ विद्यावनसुवाजनधकाडाशकननत्रनाले

20

15

10

5

सिदंग अलक यथा विनयातः क न न न वा ह्या न वा न या वा वा ख ड
 नः गा ध ड ध न न न न न ॥ ॥ ज्य वि ग न य निः क न म सा ता ठा २
 न न स न व सा नः य या न उ य ज क त्रि न न क क त्रिः सिं घ न स न न
 त्रि था ग व स त्रि ॥ गा ध ड ॥ कृ वि त र ड मः यं घ त्रि सा गा ड
 २ थि थि डा ड न या डाः द्वि गा डा सा गा डा सा गा का डा का नू क
 डा न स न वि सा कः सा क क कृ ना य या कृ सा क न कृ य त्रि गा

२५ न क क न ॥ ॥
 २५ न क क न ॥ ॥

ध ड सि न न न न ॥ ॥ गा गा ॥ सा र ड ॥ ना न ॥ ॥ ॥ क न क ड
 न नि द वि ग य न सा गाः ना स कृ दि ग नि न सि अ न ॥ मा ना क
 य ३ व ग द स ड सा डा त्रि ॥ ॥ अ नि य न ह ग व नि यं दिः सा ना
 क य ३ व ग द स ड सा डा त्रि ॥ ॥ य या ध न ल न य त्रि य ड दि अ
 य त्रि २ ड ह नि ड ह सं घा न ॥ मा ना ॥ स नि स य कं य यः दि न स
 नि क य य २ क य य स त्र स त्र यं दिः सा ना ॥ ॥ दा न द न व द स

20

25

20

15

१ सवित्रि च नै

दिसयताय २ धन सत्र सत्र यदिः माना ॥ ॥ कन ३ कय द
 न सवद कय २ गद गद गि न त नि कायः माना ॥ ॥ य ३ क
 य स नि न य २ मान त्रि का गि नि ना रः माना ॥ ॥ ना ग ॥ य
 स न ॥ न ॥ या ॥ अनि य वि न नि य क मा प्र मा य ॥ ॥ द वि
 स या सः अनं दि व त ना ग तः कन न कन न कन का त्रि ॥ ॥ क य
 अनि सा स त्रि न य नि स त व स त य अ य त्रि उ य सा त्रि २ अनं द क

10

5

ले अ थ ल न य त य ग व न क व त य सा ॥ ॥ कंद द स न न
 स र्हा स र स त व त वि क य य स स त वा नि २ मा य वि का य त्रि स त
 स य र्हा ल हः क य र्हा अ रु त ता नि ॥ ॥ अ य त भ म नाः ह व का य लि
 न अ य म क त य न सा त्रि २ स स वि न दि न त्रि व न वा सिः य क स त्रिः ना लि न
 त्रि क लि य अ सा त्रि ॥ ॥ क म दि न ना य कः त सि क सि ग म निः वृ य
 नि क ग न क य ग वः २ अ अ स त य य द त थ ग जि ग ए न रु त्रि सा य दू न

Red scribble

25

20

15

10

5

१ ग न स सि धि य नि

य॥ मा भव॥ ग ग॥ सि धि य नि ग न य भ क
 ल ग न स द्र य का ठा वि ष क २ य त न सि ड त थः य धि य नि धि न व
 त्रि ड ग क उ व का त नं॥ ॥ धि य नि धि यं त न न का ठा स लि य ना म
 का ठा॥ ॥ इ ल य भू इ त नि इ त य भू ग दू वः इ लू ड ग थ ग
 थ उ ह ठा नं २ ध न स म न न स य च त म स थ स थ त त य य स त्रि
 त नं॥ ॥ ड न न ग सि डि डि ड नि ड इ र्म वृ लि ड ग ड सि य व

य मा नि धि २ इ य ड थ ड ठ ड म य सा व ना नः इ त म न दू व वि
 धि स न नं॥ ॥ क त्रि स इ त म क प नि य य म नः क धि न ग नि ग
 क ड म नं २ थ रि य इ नि न थ रि इ त म स थ न क स लि ना म का ठा नं
 ॥ ॥ स नू थ इ त म स इ त स दानः स न न ग थ ग थ स सि तं २ स इ
 न य स य व न स म नि स ड न नः स व न य य ल य य न नं॥ ॥ क
 सं ग सं ग म कू व वि य य म न कू ग नि कू त ना स इ त नं २ य य ड थ

20

25

नद्यायदक्षनदानमदूयात्रिद्रुयिप्रिधुनम॥ ॥ मखन
यसत्रिप्रमहकिप्रिधनमखनयवत्रिद्रुनन॥ ॥ यम
नयाकाहकायडा नदयिडाथयानदानयनमात्रनवत्रय
डाहधकवत्रमदूकाकनयत्रनदुवविशसुननरयत्रयानद
षविशयत्रमयायनाकयत्रगाकनसेकसदुनिडा॥ ॥
मात्रयासात्रससाथडासंगससदकनसुहगनिगाकनरद

जानयायदूकडहनसत्रिकथाडहलात्रनयनानन॥ प्रिया
प्रिधंमनकाडाप्रियानामकाडा॥ ॥ गंगा॥ गुरुसंमद
हृदमिनसुर्वगाकमासगुरुयदुःनडामियां हृथःकसत्रवनकुरु
गंधगागा, कथाकुरुमासागुरुःसमवात्रसलःमखगासिगनःसविगुरु
रुगासिगनःचंद्रमसिथनदिनससंदरुःकविगुरुधंवाकुरुगुरुधंवा
प्रथकादावनासिगुरुमंगत्रंरवंगुरुसर्वपाकात्रगुरु॥ ॥